TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

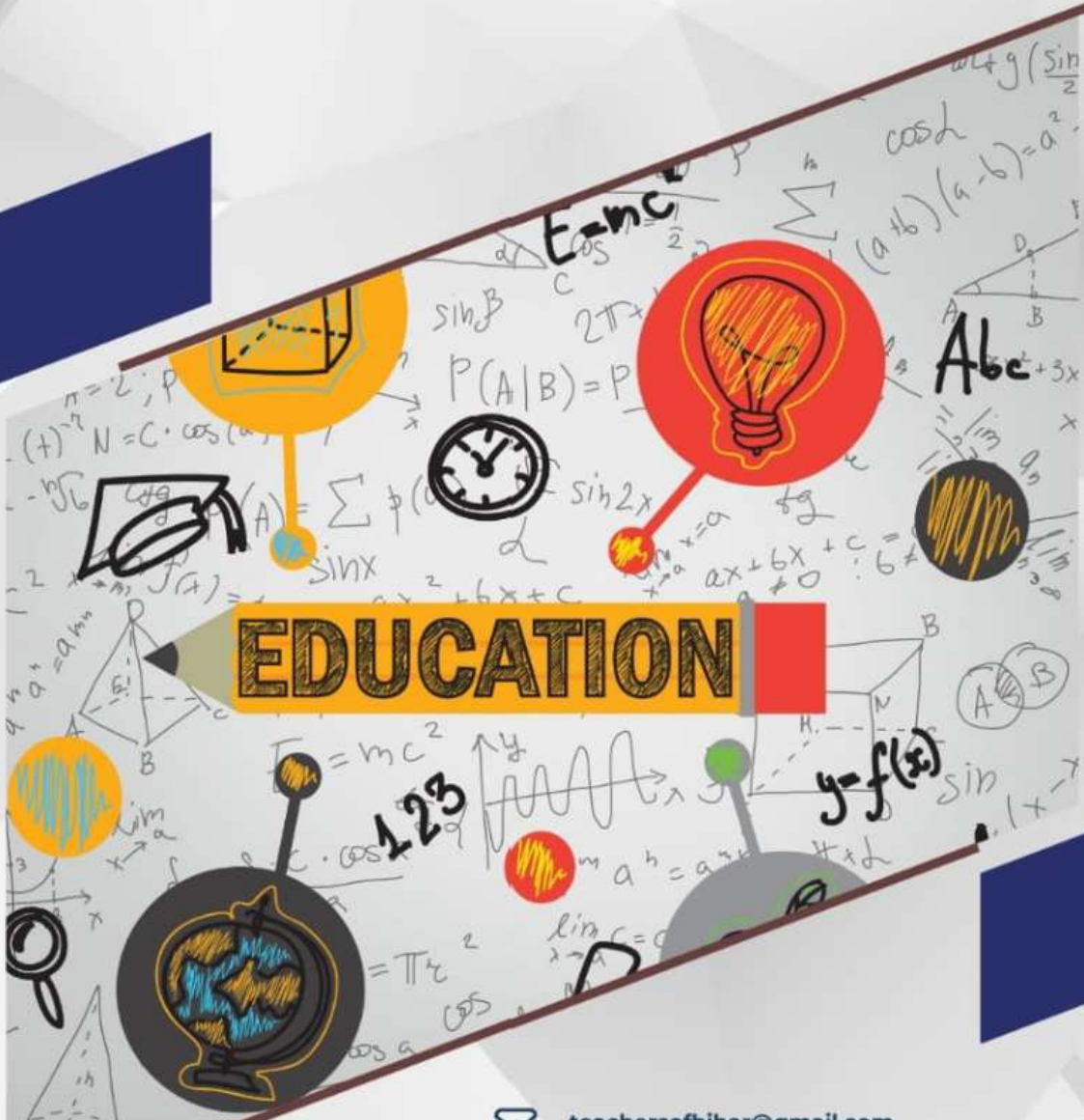

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

18 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

ज्ञान एकता की ओर ले जाता है, जबकि

अज्ञान बिखराव लाता है ।

रामकृष्ण परमहंस

(आध्यात्मिक गुरु)

जन्म: 18 फरवरी 1836 मृत्यु: 15 अगस्त 1886

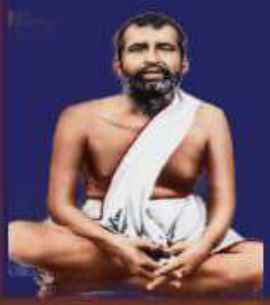

राकेश कुमार

जयंती विशेष

18 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

यह संसार कर्मक्षेत्र है और मानव का जन्म कर्म करने हेतु हुआ है।

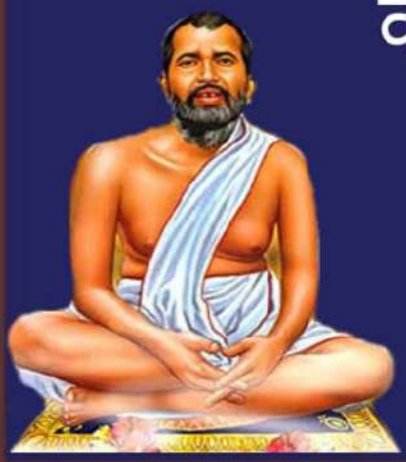

- रामकृष्ण परमहंस

(आध्यात्मिक गुरु)

(18 फरवरी 1836 - 15 अगस्त 1886)

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

18 फरवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, फाल्गुन माह, कृष्ण पक्ष, षष्ठी तिथि, मंगलवार 18 फरवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"चाँद पर लक्ष्य साधो, अगर आप चूक भी गये, तो आपका निशाना तारे पर लग सकता है।"

– डब्ल्यू. क्लेमेंट स्टोन

"Aim for the moon. If you miss, you may hit a star."

– W. Clement Stone

DIWAS GYAN

आज के दिन

1405– तैमूरलंग का कजाखस्तिान में निधन हुआ था।

1905– श्यामजी कृष्ण वर्मा ने इंडिया होमरूल सोसायटी की स्थापना लंदन में की थी।

1979– इतिहास में पहली बार 18 फरवरी, 1979 ई. को सहारा मरूस्थल में हिमपात हुआ था।

1. **रामकृष्ण परमहंस जयंती–** रामकृ'ण परमहंस का जन्म बंगाल के हुगली जिले के कामारपुकुर ग्राम में 1836 ई0 में 18 फरवरी को हुआ था। उनका असली नाम गदाधर चटर्जी था। वे कलकत्ता के निकट दक्षिणेश्वर काली मंदिर में पुजारी थे। वे एक महान साधक और संत थे। वे ज्ञान की अपेक्षा चरित्र–निर्माण पर अधिक बल देते थे। रामकृ'ण बहुत ही निश्छल, सहज और विनयशील थे। संकीर्ण विचारों से बहुत दूर रहते थे। हमें"ाा अपने कार्य में लीन रहते। वे एक महान विचारक और मानवता के पुजारी थे।

2. **चैतन्य महाप्रभु का जन्म** – चैतन्य महाप्रभु का जन्म 18 फरवरी, 1486 में बंगाल के नदिया नामक स्थान पर हुआ था। उन्होंने पच्चीस वर्ष के उम्र में ही सन्यास ले लिया था। वे प्रसिद्ध संत और धर्म सुधारक थे। जाति प्रथा के दोषों की उन्होंने तीव्र आलोचना की एवं कर्मकांडों की व्यर्थता स्पष्ट की।
   - संदर्भ: अतीत से वर्तमान भाग 2, अध्याय 7

3. **एलेसेंड्रो वोल्टा का जन्म–** इटालियन वैज्ञानिक एलेसेंड्रो वोल्टा का जन्म 18 फरवरी, 1745 को कोमो में हुआ था। ये सन् 1800 ईस्वी में विद्युत धारा के आविष्कार के लिए जाने जाते हैं। इन्होंने रासायनिक क्रियाओं के द्वारा विद्युत को उत्पन्न किया और उस विद्युत को तारों में प्रवाहित किया, जो एक प्रारंभिक इलेक्ट्रिक बैटरी थी, जो एक स्थिर विद्युत प्रवाह का उत्पादन करती थी। वोल्टा ने निर्धारित किया था कि बिजली का उत्पादन करने के लिए असमान धातुओं की सबसे प्रभावी जोड़ी जस्ता और तांबा थी। उनके जन्मदिन के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बैटरी दिवस मनाया जाता है।

दिवस प्रेरणा 37

मैडम क्यूरी

(नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक)

इतने पैसे नहीं थे की गर्म कपड़े खरीद सके ...

संघर्ष

क्यूरी के बचपन का नाम मार्जा स्क्लोदोव्स्का था। उसके पिता विज्ञान के अध्यापक थे। घर का आर्थिक बोझ कम करने के लिए मार्जा ने एक धनी परिवार में नौकरी कर ली। उसका काम था एक दस वर्षीया कन्या की देखभाल करना और उसे पढ़ाना। क्रिसमस की छुट्टियों में उस परिवार का सबसे बड़ा लड़का घर आया था। दोनों में प्रेम उत्पन्न हो गया। घर वालों को जब यह बात पता लगा तो मार्जा की शादी तो दूर नौकरी भी चली गई। कुछ पैसा उसने नौकरी करके बचाया था। विश्वविद्यालय की फीस चुकाने के लिए उसके पिता कमी–कमार पैसे भेज देते थे। फ्रांस में कड़ाके की ठंड पड़ती थी। लेकिन उसके पास आग जलाने के लिए कोयले और गर्म कपड़े खरीदने तक को पैसे नहीं होते थे। पढ़ते समय वह सर्दी से ठिठुरती रहती थी। सोते समय वह तौलिये, चादरें, रूमाल, पहनने के कपड़े, सब बिस्तर पर डाल लेती, जिससे सर्दी से बच सके। जो हाल कपड़ों का था वही हाल खाने का भी था। अल्पाहार के चक्कर में उसका शरीर बहुत पतला हो गया।

सफलता

पढ़ने के साथ ही विश्वविद्यालय में पढ़ाने का काम मिल गया। कुछ समय बाद वहीं के प्रोफेसर पियरे क्यूरी से विवाह कर लिया और मार्जा से मैडम क्यूरी हो गई। उसने अपने मेहनत के बदौलत दो बार नोबेल पुरस्कार हासिल किये। आज वे प्रसिद्ध वैज्ञानिक और रेडियम की खोज के लिए जानी जाती हैं। रेडियम का उपयोग चिकित्सा विज्ञान में किया जाता है।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

website: https://www.teachersofbihar.org/publication/diwasgyan https://www.teachersofbihar.org/publication/gyandrishti

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

18 फरवरी

मधु प्रिया

रामकृष्ण परमहंस की जयंती 18 फरवरी

आज रामकृष्ण परमहंस की जयंती है। उनका बचपन का नाम गदाधर चट्टोपाध्याय था। तारीख के अनुसार उनका जन्म 18 फरवरी 1836 को बंगाल के एक प्रांत कामारपुकुर गांव में हुआ था। पिता का नाम खुदीराम तथा माता का नाम चंद्रमणि देवी था।वे भारत के एक महान संत और विचारक थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। वे मानवता के पुजारी थे। हिन्दू, इस्लाम और ईसाई आदि सभी धर्मों पर उसकी श्रद्धा एक समान थी, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने बारी-बारी सबकी साधना करके एक ही परम-सत्य का साक्षात्कार किया था।अपने बचपन से ही उन्हें विश्वास था कि भगवान के दर्शन हो सकते हैं, अतः भगवान प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति की तथा सादगीपूर्ण जीवन बिताया। अपने जीवन में उन्होंने स्कूल के कभी दर्शन नहीं किए थे। उन्हें न तो अंग्रेजी आती थी, न वे संस्कृत के जानकार थे। वे तो सिर्फ मां काली के भक्त थे। उनकी सारी पूंजी महाकाली का नाम-स्मरण मात्र था।रामकृष्ण परमहंस भारत के बहुत प्रसिद्ध संत में से एक हैं।स्वामी विवेकानंद जी इनके विचारों से प्रेरित थे, इसी कारण विवेकानंद जी ने इन्हें अपना गुरु माना और इनके विचारों को गति प्रदान करने के लिए रामकृष्ण मठ की स्थापना की, जो कि बेलूर मठ के द्वारा संचालित हैं। रामकृष्ण मठ और मिशन नामक यह संस्था जन मानुष के कल्याण के लिए एवं उनके आध्यात्मिक विकास के लिए दुनियाँ भर में काम करती हैं।स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने दूसरे धर्मों के बारे में भी ज्ञान हासिल किया था। उन्होंने सभी धर्मों की एकता पर बल दिया था। रामकृष्ण परमहंस जी का निधन 50 साल की उम्र में 16 अगस्त 1886 में कोलकाता में हुआ था।

Teachers of Bihar

The change makers

जयंती विशेष 18 फरवरी

बंधुत्व व सद्भाव की प्रतिमूर्ति,
महान संत और विचारक

रामकृष्ण परमहंस जी

की जयंती पर शत्-शत् नमन

रामकृष्ण परमहंस *Ramakrishna Paramhansa*, जन्म: 18 फ़रवरी, 1836 - मृत्यु: 15 अगस्त 1886) भारत के एक महान् संत एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर ज़ोर दिया था। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं है। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं।

ToB बालमन

अजब गजब

बैरन द्वीप: अंडमान सागर में स्थित यह द्वीप भारत का इकलौता ऐसा द्वीप है जहां ज्वालामुखी है. यहां पर्यटकों के जाने की अनुमति नहीं है।

कजाकिस्तान का गांव: इस गांव में लोगों को कभी भी कहीं भी अचानक से नींद आ जाती हैं।

बरमूडा त्रिभुज: उत्तरी अटलांटिक महासागर में स्थित यह क्षेत्र कई विमानों और जहाज़ों के गायब होने के लिए जाना जाता हैं।

न्यूजीलैंड के वैटोमो केव्स: ये गुफाएं बहुत अजीब और अलग दिखाई देते हैं जिसके कारण इसकी चर्चा होती हैं।

ब्राजील का नाग आइलैंड:यह बेहद रहस्यमयी द्वीप है जहां पर सांपों का राज है। यहां पर सांपों की कुल 4 हजार प्रजातियां हैं, जिनमें से कुछ बेहद खतरनाक हैं।

सोशल मीडिया से

विज्ञान कॉर्नर

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

स्ट्रोंशियम (Strontium)

संकेत (symbol)- **Sr**

परमाणु संख्या (Atomic no.) -38

परमाणु भार (A.weight) -87.62

समूह (group)-2

आवर्त (period)-5

ब्लाक (block)-S

संयोजकता (valancy)-2

समस्थानिक (isotope)-4

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[Kr]5s^2$

खोज

1790,अडायर क्रॉफर्ड और विलियम कुइशैंक

भौतिक गुण

चांदी जैसा सफेद रंग, कठोर, क्षारीय मृदा धातु

रासायनिक गुण

अत्यधिक प्रतिक्रियाशील

उपयोग

आतिशबाजी, कैथोड रे ट्यूब, दवा, सिरेमिक

Anu priya

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 18.02.2025

इकाई पाठ योजना

इकाई पाठ योजना, पाठ्यक्रम के किसी खास भाग या इकाई के लिए बनाई जाने वाली योजना होती है. इसमें यह तय होता है कि क्या पढ़ाया जाएगा, कैसे पढ़ाया जाएगा, किस उद्देश्य से पढ़ाया जाएगा, और कितने समय तक पढ़ाया जाएगा. इकाई पाठ योजना में विशिष्ट उद्देश्य और समय सीमाएं शामिल होती हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

महाकुंभ में जाम से बचते हुए जाने के लिए बिहार के 7 श्रद्धालुओं ने मोटरबोट से लगभग 550 किलोमीटर तक का रास्ता तय किया है। उनकी नौका गंगा नदी के रास्ते महाकुंभ क्षेत्र तक पहुंची।

राकेश कुमार

आओं_सीखें_

Award(पुरस्कार):

यह किसी उपलब्धि या उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया जाता हैं आमतौर पर इसे किसी संस्था, सरकार या संगठन द्वारा प्रदान किया जाता हैं । यह ट्रॉफी,मेडल, प्रमाण पत्र, या सम्मान के रूप में हो सकता हैं

जैसे : सचिन तेंदुलकर को खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारत रत्न पुरस्कार मिला ।

V/S

Reward (इनाम):

यह किसी अच्छे कार्य, सेवा, या मदद के बदले में दिया जाता हैं यह व्यक्तिगत या अनौपचारिक हो सकता हैं और धन,उपहार या अन्य लाभ के रूप में मिल सकता हैं ।

जैसे : चोरी पकड़वाने में मदद करने पर पुलिस ने उसे ₹50000 का इनाम दिया ।

संक्षेप में :-

- **Award किसी की उपलब्धि या प्रतिभा की मान्यता होती हैं ।**
- **Reward किसी विशेष कार्य या अच्छाई के बदले में दिया गया प्रतिफल होता है।**

ToB बूझो तो जानें..

482

जा जोड़े तो जापान, अमीरों के लिए है यह शान,
बनारसी है इसकी पहचान, दावतों में बढ़ती इसकी शान ..
...बुझो तो जानें....?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

एशिया में सबसे ज्यादा रन

(इंटरनेशनल)

प्लेयर	टीम	मैच	रन	औसत
सचिन तेंदुलकर	भारत	411	21741	50.91
कुमार संगाकारा	श्रीलंका	362	18423	49.52
महेला जयवर्धने	श्रीलंका	388	17386	43.35
विराट कोहली	भारत	312	16025	56.82

भक्ति काल के प्रमुख कवियों में से एक

चैतन्य महाप्रभु

की जयंती पर नमन।

18 फरवरी 1486-14 जून 1534

Madhu priya

जयंती पर नमन।

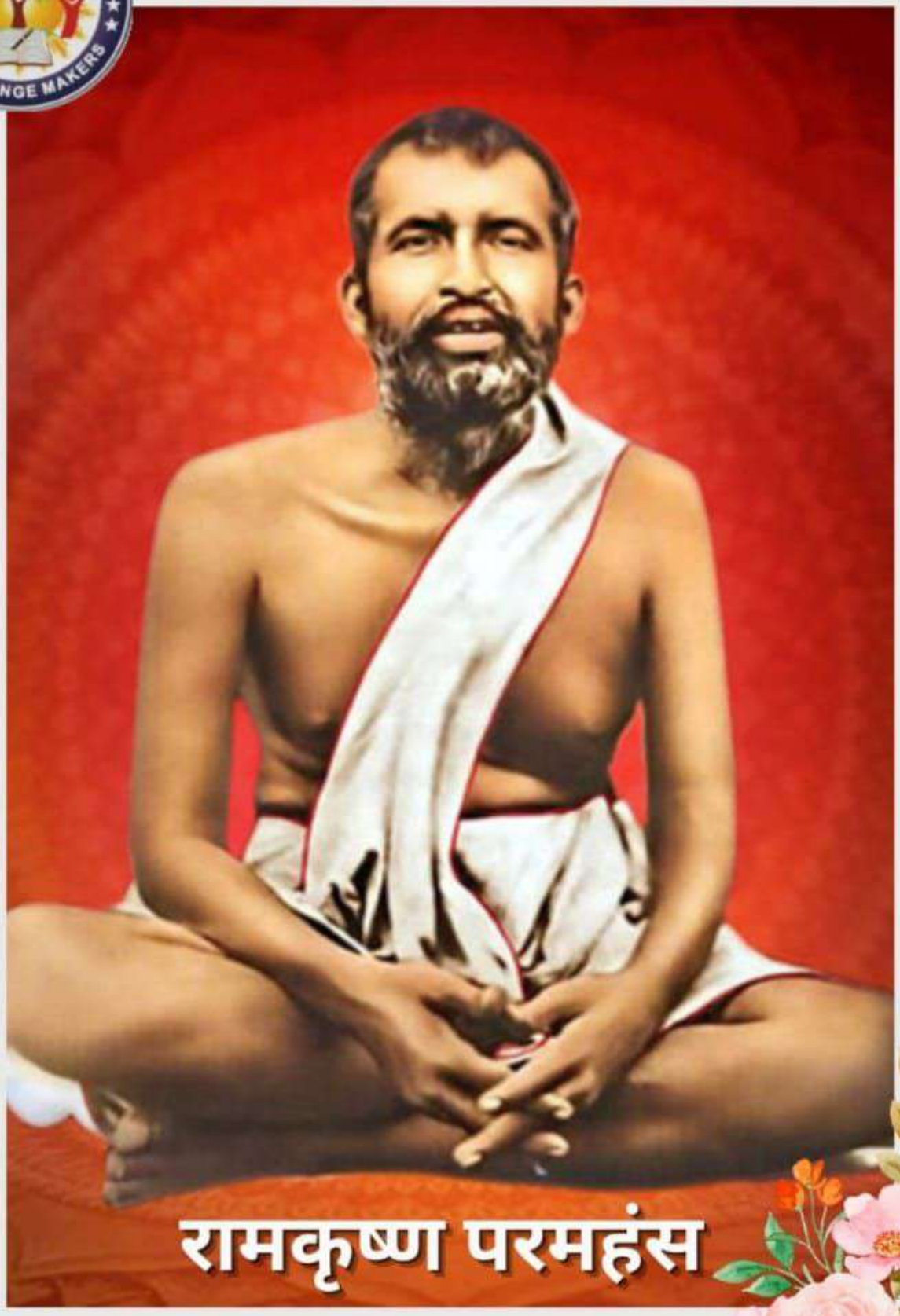

रामकृष्ण परमहंस

18 फरवरी 1836-16 अगस्त 1886

Madhu priya

www.teachersofbihar.org